

चार सौ करोड़ की ठगी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

इससे पहले चार आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं, लेकिन मुख्य आरोपी अभी भी फरार है

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर पुलिस चार सौ करोड़ की ठगी के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले चार आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं, लेकिन मुख्य आरोपी अभी भी फरार है।

आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि गिरफ्तार हुए दोनों आरोपी कंपनी में टेक्नीशियन के अलावा महत्वपूर्ण काम करते थे। अभी तक कंपनी के खिलाफ चार हजार से ज्यादा शिकायत मिल चुकी है। आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि धौलपुर ठगी के मामले में अभी तक चार गिरफ्तारियों की जा चुकी थी। उसी मामले में दो और गिरफ्तारी की गई हैं, जिसमें अनूप श्रीवास्तव निवासी बर्डीपुर थाना देवरिया गोरखपुर उत्तर प्रदेश और दूसरा रोहित शर्मा निवासी वशिष्ठ पार्क थाना सागरपुर नई दिल्ली को गिरफ्तार किया गया है। आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि यह दोनों आरोपी इस मामले में बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी हैं। यह दोनों फ्रीड एजेंट के माध्यम से फर्जी कंपनियों को खुलवाने के काम करते हैं। ग्रामीण परिवेश के लोगों से डॉक्यूमेंट लेकर एक कंपनी खुलवाई जाती है। जिसमें उन लोगों को



भरतपुर में करोड़ों की ठगी मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

डायरेक्टर बनाया जाता है। इसके बदले उन्हें 20 से 25 हजार हर महीने दिए जाते हैं। फ्रीड एजेंट कंपनी खुलवाकर इन दोनों आरोपियों को पूरा डाटा भेजा जाता था। जिसके बाद यह दोनों एक जगह किराए पर लेकर ऑफिस बनाते और कंपनी के नाम से पैसे के लेनदेन की एप्लीकेशन बनाकर इस काम को पूरा करते। दोनों आरोपियों ने कंप्यूटर के कोर्स किए

हूए हैं। दोनों आरोपियों ने हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की ट्रेनिंग ले रखी है। दोनों आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड अभी तक सामने नहीं आया है, जो तफ्तीश हम कर रहे हैं, उसमें सैकड़ों क्लेन मिली हैं। जब सबसे पहले आरोपी पकड़े गए थे, तब चार सौ करोड़ का मामला सामने आया था। अब जांच में लग रहा है कि यह मामला एक हजार करोड़ या दो हजार करोड़

से कम नहीं है। यह रकम इससे भी ऊपर जा सकती है।

आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि 6 मार्च 2025 को हरिसिंह नाम के एक व्यक्ति ने धौलपुर सायबर थाने पर फिनो पेमेंट खाते के खिलाफ एक शिकायत दर्ज करवाई थी। जब इस शिकायत की जांच की गई तो, बेहद चौकाने वाले मामले सामने आए। उसी खाते के खिलाफ करीब 3 हजार

■ आरोपी कंपनी में टेक्नीशियन का काम करते थे, एक ही कंपनी के नाम चार हजार शिकायतें दर्ज

शिकायतें दर्ज थीं। जो अब बढ़कर 4 हजार हो गई हैं। जांच में यह सामने आया कि इस गैंग का मुख्य सरगना शशिकांत और रोहित दुबे हैं। उन्होंने मिलकर एबंर्डेस पेमेंट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के नाम से एक कंपनी खोली जिसका मुख्यालय बेंगलुरु (कर्नाटक) में बनाया। इस कंपनी में अनूप श्रीवास्तव ऑन बोर्डिंग का काम करता है। रोहित शर्मा टेकिनकल काम करता है। अनूप श्रीवास्तव शशिकांत का पुराना दोस्त है। दोनों आरोपी कंपनी में शुरू से काम करते हैं। यह लोग कंपनी से सीधे संपर्क नहीं करते। एबंर्डेस पेमेंट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के पास करीब कंपनी मर्चेंट थे। आरोपी लोगों को ऑनलाइन गेमिंग और निवेश के नाम का झंसा देकर ठगी करते थे।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत को अपने ही गृह नगर जोधपुर में झटका लगा

अशोक गहलोत को प्रशासन ने एक स्कूल का लोकार्पण करने से रोका

जोधपुर, (कासं)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपने ही गृह नगर जोधपुर में उस समय गहरा झटका लगा जब जिला प्रशासन ने एक स्कूल का लोकार्पण करने से रोक दिया। गहलोत को शहर के एक स्कूल की बिल्डिंग का 27 जून को उद्घाटन करना था। इसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर शेयर की थी। इसकी जानकारी हुई तो बाद जोधपुर जिला प्रशासन ने कहा दिए इस स्कूल के भवन का उद्घाटन शिक्षामंत्री मदन दिलावर से करवाया जाएगा।

विवाद सामने आया तो बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री ने स्कूल की बिल्डिंग के उद्घाटन का कार्यक्रम ही कैसिल कर दिया है। उन्होंने कहा हालांकि मैं यहां का एमएलए हूं अधिकार भी रखता हूं। इनके लोग होते तो लड़ लेते। हम ऐसा नहीं करते, इसलिए मना ही कर दिया। जानकारी के अनुसार इस बिल्डिंग की

योजनाओं की स्वीकार्यता से जोड़ रही है, वहीं भाजपा इसे सरकारी मर्यादा और अधिकार क्षेत्र का मामला बता रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद भाजपा-कांग्रेस के बीच सिर्फ एक स्कूल भवन के उद्घाटन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सत्ता परिवर्तन के बाद पूर्ववर्ती सरकार की योजनाओं का श्रेय किसे मिले, इस पर सियासी दंगल है। फिलहाल, न तो सरकार और न ही गहलोत की ओर से इस मुद्दे पर कोई औपचारिक बयान आया है, लेकिन माना जा रहा है कि कांग्रेस इस विवाद को जनता के बीच ले जाकर भाजपा सरकार पर पूर्ववर्ती योजनाओं का श्रेय छीनने का आरोप लगाने की रणनीति पर मंथन कर रही है। वहीं, भाजपा अपने मंत्री के हाथों उद्घाटन को सरकारी प्रक्रिया का हिस्सा बता रही है।

दूसरी तरफ पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सीएम भजनलाल को लेकर बुधवार को जोधपुर के सर्किट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सनसनीखेज दावा किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को उनके पद से हटाने की साजिश उनकी ही पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा दिल्ली और जयपुर में रची जा रही है। अशोक गहलोत ने कहा कि यह षड्यंत्र पूरी तरह तैयार हो चुका है, लेकिन मुख्यमंत्री इस खतरे को समझ नहीं पा रहे हैं। बता दें गहलोत अपने पांच दिवसीय जोधपुर दौर पर हैं। आगे उन्होंने कहा कि मैं बार-बार मुख्यमंत्री को आगाह कर रहा हूं, लेकिन वह हमारी बात को गंभीरता से नहीं ले रहे। अगर वह भ्रम में रहे, तो उन्हें ही नुकसान होगा। गहलोत ने जोर देकर कहा कि पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाया जाना एक बड़ा फैसला है, जिसे बदलना ठीक नहीं।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने रोड पर ही शव रख जाम लगाया

जोधपुर, (कासं)। जिले से होकर गुजरने वाले ओसियां-चेराई रोड पर मंगलवार देर शाम हुए सड़क हादसे में जनों की मौत हो गई। तेज रफ्तार से आ रहे हाइड्रा वाहन ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत, जबकि दूसरे युवक की अस्पताल ले जाते वकत मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने रोड पर ही शव रखकर जाम लगा दिया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद लोग शव उठाने को राजी हुए।

ओसियां पुलिस के मुताबिक, चेराई के रामनगर निवासी हरीश मेघवाल (2०) पुत्र जेठाराम और चेराई बड़ा बास निवासी जीतू सिंह पुत्र मजदूर सिंह की मौत हुई है। ये दोनों लाइव कर साइकिल से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान ओसियां-चेराई रोड पर हाइड्रा वाहन चालक ने साइकिल सवारों को चपेट में ले लिया।

बताया जा रहा है कि हाइड्रा चालक वाहन को तेज रफ्तार में चला रहा था। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। मौके पर जुटे लोगों ने गंभीर रूप से घायल एक युवक को अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर ओसियां थानाधिकारी राजेंद्र चौधरी समेत पुलिस टीम पहुंची। मौके पर मौजूद लोगों ने हाइड्रा वाहन रालोपा नेता का बताया। लोगों ने चालक के खिलाफ कार्रवाई और मृतकों को मुआवजा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। आरोपी पर सख्त कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर रात नौ बजे तक लोग धरने पर बैठे रहे। पुलिस ने निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया, तब जाकर लोग शव उठाने के लिए राजी हुए।

फ्लाइट में महिला के बैग में कारतूस मिला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर से दिल्ली फ्लाइट में जाते महिला के बैग में कारतूस मिला। महिला के खिलाफ एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज कराया गया है। फिलहाल महिला की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आरोपक पड़ताल में सामने आया कि उसके पिता आर्मी में कर्नल रहे चुके हैं। संभवतः यह कारतूस उन्हीं का होगा जो कि भूत्वश बैग में आ गया होगा। फिलहाल पुलिस प्रकरण की जांच में जुटी है। एयरपोर्ट थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि मंगलवार को जोधपुर से दिल्ली जा रही

एक फ्लाइट में महिला के सामान की चैकिंग में कारतूस मिला। इस पर सीआईएसएफ की एसआई मिनाक्षी चौधरी की तरफ से महिला पांचवीं रोड महेश हॉस्टल के पास रहने वाली यशोदा राजपूरोहित के खिलाफ आभ्रस एक्ट में रिपोर्ट दी गई। थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि संभवतः महिला के बैग में यह कारतूस भूल से आया होगा। उसके पिता आर्मी में कर्नल रहे पर रह चुके हैं। उसके पास में यह कारतूस कहा से आया इस बारे में पता लगाया जा रहा है।

विदेशी युवती से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। विज्ञापन की शूटिंग के लिए उदयपुर आयी फ्रेंच युवती के साथ दुष्कर्म मामले में उदयपुर पुलिस ने चित्तौड़गढ़ के चंदेरिया निवासी आरोपी पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पुष्पराज कार्टिंग कॉल कंपनी का मालिक है। विदेशी युवती वीवो मोबाइल के एड शूट के लिए उदयपुर आयी थी। यह एड शूट का काम आरोपी की कंपनी द्वारा ही किया जा रहा था। आरोपी पुष्पराज कई बड़े ब्रांड के एड, सॉरियस और गानों की कार्टिंग कर चुका है।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा (29) ने कहा है कि उसके साथ नहीं टैप हुआ है। उसे बॉलीवुड के कुछ लोग फंसा रहे हैं। पुष्पराज चित्तौड़गढ़ के गंगार तहसील क्षेत्र का रहने वाला है। वह करीब आठ साल से उदयपुर में रह रहा है। सुर्जों के अनुसार पुष्पराज उदयपुर के सिटी पैलेस में शूट हुई सलमान खान की मूवी प्रेम रत्न धन पायी और होटल रेडिसन में शूट हुई अक्षय कुमार की मूवी खेल से लेकर कई सॉनिंग और ऐड के लिए

कास्टिंग कर चुका है। एसपी योगेश गोयल ने बताया कि विदेशी युवती के साथ दुष्कर्म के आरोप में पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा को गिरफ्तार किया गया है। फ्रांस नागरिक युवती पिछले लंबे समय से दिल्ली रह रही है। उन्होंने बताया कि युवती अंबामाता थाना इलाके के एक होटल में रुकी थी। घटना के बाद युवती को प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। उसकी हालत खतरे से बाहर है। वह वीवो मोबाइल के एक विज्ञापन शूट के लिए 22 जून की उदयपुर आयी थी।

इस विज्ञापन शूटिंग का काम आरोपी पुष्पराज की कंपनी कार्टिंग कॉल द्वारा किया जा रहा था। ऐसे में

Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli

No. :- 774

NOTICE INVITING BID

NIB No. :- 15/2025-26

Bids for RTWHS With Recharge shaft work Project MJSA 2.0 Block-- Hindaun, Sapotra & Nadoti of estimated value INR 15.51 Lacs [03 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 29-26-2025, Other particulars of the bid may be obtained on the procurement portal (<https://eproc.rajasthan.gov.in> or <https://sppp.rajasthan.gov.in/>) of the state, departmental website.

NIB CODE:- WSC2526A0344

UBN No.:- WSC2526WSRC00588, 00586, 00587

Raj.Samwad/C/25/4978

Superintending Engineer and Project Manager

Date :- 18/06/2025

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण

क्रमांक:- एफ.10/2025-26/4790

दिनांक:- 20.06.2025

:: अल्पकालीन ई-निविदा सूचना ::

(UBN No. DLB2526WSOB08563)

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण की ओर से विभिन्न सविल कार्यों हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्तें आदि (<http://eproc.rajasthan.gov.in>, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं <https://s.g.Rajasthan.gov.in/mcjs> पर देखी जा सकती है।

महापौर

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/4883

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशरथा नैदान, सी.ए.डी. सर्किल कोटा

email : nkksouth@gmail.com, www.urban.rajasthan.gov.in/nkns

क्रमांक :- ननिको/दक्षिण/निर्माण/2025/388-402

दिनांक :- 23.06.2025

ई-निविदा संशोधन सूचना 01

नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा जारी ई-निविदा सूचना संख्या 18/2025-26 क्रमांक 328 - 342 दिनांक 16.06.2025 में बगैत क्रम संख्या 01 के कार्य के नाम को "नगर निगम कोटा दक्षिण के छावनी स्थित मुक्तिग्राम में आवश्यक नरमाल/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अव्य विकास कार्य" पड़ा जाये। संवेदक ई-निविदा संशोधन सूचना प्रपत्र नगर निगम कोटा की वेबसाईट (<http://kotamcnsouth@gmail.com>, www.urban.rajasthan.gov.in/nkns, <http://sppp.raj.nic.in>, <http://eproc.rajasthan.gov.in>, से प्राप्त कर सकते।

शेष यथावत रहेगा।

राज.संवाद/सी/25/4995

अधिशारी अधिनयता

नगर निगम कोटा-दक्षिण

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के सूरतगढ़ में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को अगुआई में रविवार 22 जून से शुरू हुई उर्वरक घोटाले की जांच बुधवार 25 जून को चौथे दिन भी जारी है। कृषि विभाग की टीमों ने अब तक सूरतगढ़ के 5 स्थानों पर छापीमारी कर 29,110 उर्वरक बैग और 86644 बोतलें जब्त की हैं। इनमें यूरिया, डीएपी, नैनो यूरिया, जैविक खाद, बायो फर्टिलाइजर और सूक्ष्म पोषक तत्व शामिल हैं। अब तक 29 नमूने लिए जा चुके हैं। एक फर्म पर एफआईआर दर्ज हुई है। कई फर्मों के विक्रय पर 2 से 21 दिन तक रोक लगाई गई है। अब तक की कार्रवाई में सूरतगढ़ रीको इंडस्ट्रियल परिया, सब्जी मंडी के पास, वर्धमानमिल क्षेत्र और मारुति नंदन धर्म कोटा सहित पांच जगहों पर गोदामों की जांच हुई।

सहायक निदेशक (कृषि) सुरजीत कुमार बिशोई ने बताया कि एक गोदाम में कार्रवाई अब भी जारी है। सब्जी मंडी के पास स्थित गोदाम से उपनिदेशक (कृषि) विनोद कुमार गौतम ने उर्वरकों के नमूने लिए। अशोक फर्नीचर के सामने एक बड़े गोदाम से डिप्टी डायरेक्टर (उद्यान) प्रीतिबाला गर्ग और

कृषि अधिकारी विकास कुमार ने कोमंडल इंटरनेशनल, श्रीराम फर्टिलाइजर्स और राम फास्फेट लिमिटेड की खाद के नमूने लिए। वर्धमान मिल क्षेत्र में गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर और कोरोमंडल की खाद की जांच की गई। मारुति नंदन धर्म कांटा स्थित एक ऑफिस से उपनिदेशक (कृषि) केशव कालीराणा ने इफको कंपनी का 3504 लीटर नैनो यूरिया और 60 लीटर नैनो डीएपी जब्त किया। नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। इस फर्म के खिलाफ सूरतगढ़ सिटी थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। इसके अलावा 23692 बोतल तरल उर्वरक और 5571 मीट्रिक टन सूक्ष्म पोषक तत्वों के विक्रय पर रोक लगाई गई है। जांच में सामने आया कि कई गोदामों में स्टॉक रजिस्टर नहीं मिले। फर्म का नाम

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के सूरतगढ़ में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को अगुआई में रविवार 22 जून से शुरू हुई उर्वरक घोटाले की जांच बुधवार 25 जून को चौथे दिन भी जारी है। कृषि विभाग की टीमों ने अब तक सूरतगढ़ के 5 स्थानों पर छापीमारी कर 29,110 उर्वरक बैग और 86644 बोतलें जब्त की हैं। इनमें यूरिया, डीएपी, नैनो यूरिया, जैविक खाद, बायो फर्टिलाइजर और सूक्ष्म पोषक तत्व शामिल हैं। अब तक 29 नमूने लिए जा चुके हैं। एक फर्म पर एफआईआर दर्ज हुई है। कई फर्मों के विक्रय पर 2 से 21 दिन तक रोक लगाई गई है। अब तक की कार्रवाई में सूरतगढ़ रीको इंडस्ट्रियल परिया, सब्जी मंडी के पास, वर्धमानमिल क्षेत्र और मारुति नंदन धर्म कोटा सहित पांच जगहों पर गोदामों की जांच हुई।

सहायक निदेशक (कृषि) सुरजीत कुमार बिशोई ने बताया कि एक गोदाम में कार्रवाई अब भी जारी है। सब्जी मंडी के पास स्थित गोदाम से उपनिदेशक (कृषि) विनोद कुमार गौतम ने उर्वरकों के नमूने लिए। अशोक फर्नीचर के सामने एक बड़े गोदाम से डिप्टी डायरेक्टर (उद्यान) प्रीतिबाला गर्ग और

कृषि अधिकारी विकास कुमार ने कोमंडल इंटरनेशनल, श्रीराम फर्टिलाइजर्स और राम फास्फेट लिमिटेड की खाद के नमूने लिए। वर्धमान मिल क्षेत्र में गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर और कोरोमंडल की खाद की जांच की गई। मारुति नंदन धर्म कांटा स्थित एक ऑफिस से उपनिदेशक (कृषि) केशव कालीराणा ने इफको कंपनी का 3504 लीटर नैनो यूरिया और 60 लीटर नैनो डीएपी जब्त किया। नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। इस फर्म के खिलाफ सूरतगढ़ सिटी थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। इसके अलावा 23692 बोतल तरल उर्वरक और 5571 मीट्रिक टन सूक्ष्म पोषक तत्वों के विक्रय पर रोक लगाई गई है। जांच में सामने आया कि कई गोदामों में स्टॉक रजिस्टर नहीं मिले। फर्म का नाम

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बिना अधिकृत गोदाम, मूल्य सूची और वितरण के बिना इतना बड़ा स्टॉक रखने पर जवाब मांगा जाएगा।

और पता तक अंकित नहीं था। मूल्य सूची और भंडारण प्रदर्शन बोर्ड भी नहीं थे। इन अनियमितताओं के आधार पर कई फर्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह भंडारण जानबूझकर खरीफ सीजन में किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी के लिए किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि डीएपी का रैक आए 10 दिन हो गए, फिर भी कंपनियों ने न डीलरों को आपूर्ति की, न सहकारी समितियों को। मंत्री ने गहन जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिन गोदामों से उर्वरक जब्त हुए हैं, उनके लिए संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बि